2

दादा जी की नसीहत

प्रभाव पड़ा?

2. सही उत्तर पर ✓ लगाओ—

क. सोहन कैसा लड़का था?

i. सीधा-सादा ☐ ii. शैतान ☑ iii. चतुर ☐

ख. दादा जी सोहन को कहाँ लेकर गए?

i. खेत में ☐ ii. नदी-किनारे ☐ iii. बगीचे में ☑

ग. "बुरी आदतों को शुरुआत में छोड़ना बहुत आसान है....."— यह किसने कहा?

i. दादा जी ने ☑ ii. माँ ने ☐ iii. पिता जी ने ☐

इन पर विचार करो

1. क्या आपके दादा-दादी ने आपको कभी कोई ऐसी सीख दी है, जिसके बाद आपकी कोई बुरी आ छूट गई हो?
2. आप अपनी कौन-सी एक बुरी आदत सुधारना चाहते हैं और क्यों?
3. सोहन और आपमें क्या अंतर है? किन्हीं दो समानताओं और दो असमानताओं पर विचार करो।

प्रशंसा-योग्य

1. हमारा व्यवहार और हमारी आदतें ही हमारे व्यक्तित्व का आईना होती हैं। इस आईने में जो दिखती है, वही दूसरों को हमारा प्रशंसक और आलोचक बनाती है।
2. बड़ों की नसीहतें हमें न केवल जीवन में आगे बढ़ने में मदद करती हैं, बल्कि जीवन को ढंग से जीने की कला भी सिखाती हैं। हमें अपने बड़ों की नसीहतों एवं अनुभवों का लाभ उठ उन्हें जीवन में उतारना चाहिए।

जानी-अनजानी बातें

- **आओ जानें कुछ अच्छी आदतें और व्यवहार—**

खेल-कूद व अन्य शारीरिक गतिविधियों में भाग लें।

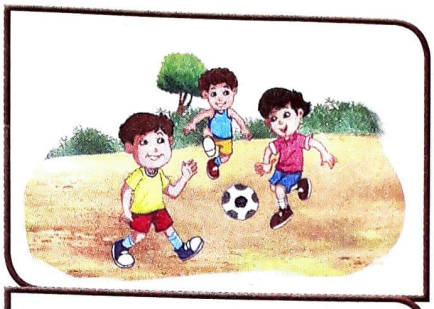

सभी के साथ मित्रतापूर्वक रहें व लड़ाई-झगड़ा न करें।

प्रतिदिन अपना गृहकार्य समय पर करें।

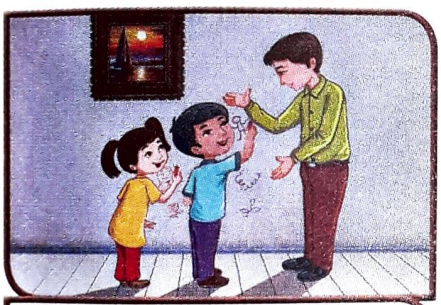

दीवारों पर न लिखें। उन्हें साफ़-सुथरा बनाए रखें।

कूड़ा कूड़ेदान में ही डालें।

अनजान लोगों से कोई वस्तु न लें।

- **पौधों को भी होता है दर्द**

क्या आपने कभी उन पौधों के बारे में सोचा है जिनके पत्ते आप खेल-खेल में तोड़ लेते हैं या पौधों को उखाड़ देते हैं। आपको यह जानकर हैरानी होगी कि पौधे भी रोते हैं। जर्मनी में किए गए शोध के अनुसार खीरे का पौधा बीमार होने पर कराहता है। पत्ते के कट जाने पर फूल रोता है।

भाषा से

श्रुतलेख

सप्ताह, मवेशियों, नसीहत, प्रभाव, व्यवहार, अध्यापक, बुज़ुर्ग, मशक्कत, झाड़ियाँ, उखाड़ना, शुरुआत

1. **कहानी में से चार योजक चिह्नवाले शब्द ढूँढ़कर लिखो—**

आस-पड़ोस मम्मी-पापा थक-हारकर रोक-टोक बाग-बगीचों

2. क. 'ड़' वर्ण वाले पाँच शब्द पाठ में से ढूँढ़कर लिखो—

लड़का, उखाड़ने, पड़ोस, छोड़, जड़ें

ख. दिए गए द्वित्व व्यंजनों से बनने वाले दो-दो उदाहरण लिखो—

त्त	—	पत्ता	गत्ता	कुत्ता
ट्ट	—	मिट्टी	छुट्टी	अट्टहास
क्क	—	हुक्का	मक्का	धक्का

3. पढ़ो और समझो—

किसी प्राणी, वस्तु, स्थान अथवा भाव के नाम को **संज्ञा** कहते हैं, जैसे—नरेंद्र, तोता, बस्ता, खिलौ इलाहाबाद, वीरता, प्रेम आदि।

कहानी में से पाँच संज्ञा शब्द छाँटकर लिखो—

शहर, झाड़ी, सोहन, दादा जी, गाँव

4. संज्ञा के स्थान पर प्रयोग किए जाने वाले शब्दों को **सर्वनाम** कहते हैं। जैसे—राघव (संज्ञा) चित्र बना है। वह (सर्वनाम) चित्र बनाता है। अन्य सर्वनाम—मैं, तुम्हारा, आप, हम, उन्होंने आदि।

दिए गए वाक्यों में उचित सर्वनाम शब्द लिखकर वाक्य पूरे करो—

क. उसका नाम सोहन था। (वह/उसक

ख. उसके माता-पिता उसकी इन आदतों से परेशान रहते थे। (मैं/उसके

ग. इन्हें उखाड़ना मेरे बस में नहीं। (मेरे/मैं

घ. मुझे उनका हुक्का पीना पसंद नहीं। (तुम/मु

ङ. पौधे तो तुमने बहुत आसानी से उखाड़ दिए थे। (हम/तुम

5. दिए गए मुहावरों के अर्थ लिखो—

क. एड़ी-चोटी का ज़ोर लगाना — पूरी ताकत लगाकर कोशिश करना/कठिन परिश्रम करना

ख. नाक में दम करना — बहुत परेशान करना

ग. बस में न होना — क्षमता या सामर्थ्य में न होना

घ. जड़ पकड़ लेना — दृढ़ या मजबूत होना।

प्रस्तावित गतिविधियाँ

1. 'हमारी आदतें हमारी पहचान बन जाती हैं।' कैसे? कक्षा में इस विषय पर अध्यापक/अध्यापिका के साथ विस्तार से बातचीत करो।
2. आपमें ऐसी कौन-सी अच्छी या बुरी आदतें हैं, जिनके कारण कक्षा में आपको पसंद या नापसंद किया जाता है? सोचकर ईमानदारी से बताओ।
3. अपनी उत्तर-पुस्तिका में अपनी कक्षा के ऐसे विद्यार्थी के विषय में लिखो, जिसे उसकी अच्छी आदतों और कोमल व्यवहार के लिए जाना जाता है तथा सब उसे पसंद करते हैं।
4. 'बड़ों की सीख का महत्व' विषय पर एक अनुच्छेद लिखो।

हमने क्या सीखा

1. हमें ऐसे काम नहीं करने चाहिए, जिससे दूसरों को परेशानी का सामना करना पड़े। ☐
2. हमें बड़ों का आदर करते हुए उनसे मिलने वाली सीख को जीवन में उतारना चाहिए। ☐
3. हमारी अच्छी-बुरी आदतें और व्यवहार ही हमारी पहचान बनते हैं। ☐